प्रकाशन तिथि : 01 अप्रेल, 2023
प्रेषण तिथि : 04 अप्रेल, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 27 | अंक 02 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

"मन थकना नहीं चाहिए, कदम बढ़ते रहने चाहिए"

(श्री प्रताप फाउंडेशन का दो दिवसीय राजनीतिक चिंतन शिविर संपन्न)

श्री प्रताप फाउंडेशन का काम सामाजिक और राजनीतिक दोनों प्रकृति का है। इस पर हमने यहां चर्चा की और सार्थक परिणामों पर पहुंचे हैं, यह प्रसन्नता की बात है किंतु अभी बहुत कुछ करना बाकी है। सरकार के साथ, विशेष तौर से राजस्थान सरकार के साथ आपने जो कुछ भी काम किया है, वह विलक्षण है। उसके सार्थक परिणाम आए हैं। फिर भी सरकारें जगह-जगह पर रोड़े अटकाती रहती है, उन अटकावों को भी दूर करना है। आपका मन थकना नहीं चाहिए, आपके कदम बढ़ते रहने चाहिए। आपको जो सफलता मिली है, इसे भगवान की विशेष कृपा समझें और वह समाज के माध्यम से भगवान के ही काम में लगाएं। ऐसा हम अपने आप से पूछें कि क्या हम यह कर पा रहे हैं? समूह में आप चर्चाएं कर रहे हैं यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन एकांत में भी यही चिंतन होना चाहिए। भगवान की आप पर जो विशेष कृपा है, उसको अनुभव करेंगे तो निश्चित रूप से हमारे जीवन में पवित्रता आएगी और जहां पवित्रता होती है, वहां सुख है, शांति है, समृद्धि है। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने किशनगढ़ (अजमेर) स्थित आर.के. कम्युनिटी सेंटर में श्री प्रताप फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय राजनीतिक चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन तभी महत्वपूर्ण बनता है जब वह संसार के लिए बन जाए।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

नई दिल्ली मे क्षत्रिय सांसदों का स्नेहभोज

श्री क्षत्रिय युवक संघ के सरंक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के सानिध्य मे नई दिल्ली के 10 पंडित पंत मार्ग पर 26 मार्च को देश के विभिन्न राज्यों से लोकसभा और राज्यसभा के क्षत्रिय सांसदों की बैठक एवं स्नेह भोज आयोजित किया गया जिसमें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री जनरल वी. के. सिंह, केसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान में चंपारण सांसद राधा मोहन सिंह, औरंगाबाद सांसद सुशील कुमार सिंह, महराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिकरिवार, औडीसा के बलांगिर से सांसद संगीता सिंह देव, टिहरी गढ़वाल सांसद माला राज्यलक्ष्मी, सिवान सांसद कविता सिंह, हमीरपुर सांसद पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, नरसापुरम सांसद रघुराम कृष्ण राजू , वैशाली सांसद वीना सिंह, जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़,

(शेष पृष्ठ 7 पर)

चिंतन को जीवन में चरितार्थ करें: संघप्रमुख श्री

(नीमकाथाना में स्नेहमिलन संपन्न)

प्रत्येक व्यक्ति चिंतन अवश्य करता है लेकिन उस चिंतन की सीमा कहां तक जाती है - स्वयं तक, समाज तक, राष्ट्र या पूरे संसार तक, यह उस व्यक्ति पर ही निर्भर करता है। अपने चिंतन को जीवन में चरितार्थ करने वाले बिरले ही होते हैं। ऐसे ही एक 20 वर्षीय बिरले युवक ने राजपूत समाज के हो रहे पतन और कर्तव्य-विमुखता से व्यथित होकर न केवल चिंतन किया, बल्कि उसको चरितार्थ करते हुए समाज को एक मार्ग भी दिया। वो युवक थे पूज्य श्री तनसिंह जी और वह मार्ग है - श्री क्षत्रिय युवक संघ। यदि संघ को समझना है तो संघ के निकट आना होगा और इसका माध्यम है संघ की शाखा, शिविर और संघ साहित्य का अध्ययन।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

सबको गले लगाने की बात करता है संघ: संरक्षक श्री

(भावनगर में पारिवारिक स्नेहमिलन कार्यक्रम संपन्न)

अपनी स्थापना के 25 वर्ष बाद 1971 में श्री क्षत्रिय युवक संघ ने जोधपुर में अपनी रजत जयंती मनाई। तत्कालीन परिस्थितियों के दृष्टिकोण से उस कार्यक्रम में भी संख्या खूब थी। तब संघ और संघ के स्वयंसेवकों से लोगों की उम्मीद भी बढ़ी। संघ को मिलने वाला सहयोग भी उत्तरोत्तर बढ़ता गया। फिर 1996 में स्वर्ण जयंती भी मनाई गई जिसमें समाज का भरपूर सहयोग मिला। 22 दिसंबर 2021 को जयपुर में श्री क्षत्रिय युवक संघ की हीरक जयंती मनाई गई, जिसका देश में ही नहीं विदेश में भी संदेश पहुंचा। वह सब परमेश्वर की कृपा और पूज्य श्री तनसिंह जी की तपस्या का प्रकटीकरण था। उन्हीं पूज्य तनसिंह जी की 100वीं जयंती 28 जनवरी 2024 को दिल्ली में मनाई जाएगी जिसके लिए आप सभी का सहयोग, आपकी उपस्थिति चाहिए। सहयोग का अर्थ धन से नहीं है बल्कि आप इस संदेश को अन्य लोगों तक पहुंचाएं, उनका उत्साहवर्धन करें और सभी को यह संदेश दें कि हम एक हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ की बात सबको गले लगाने की बात है, इसलिए कोई भी तबका छूटना नहीं चाहिए।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

बीकानेर में क्षत्रिय अधिवक्ता स्नेहमिलन संपन्न

(EWS आरक्षण को 14% करने पंचायती राज एवं स्थानीय निकाय चुनावों में लागू करने के लिए चलेगी मुहीम)

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में क्षत्रिय अधिवक्ताओं का स्नेहमिलन कार्यक्रम 26 मार्च को बीकानेर स्थित श्री गंगा स्मृति सरदार हॉल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने बताया कि ऐसे स्नेहमिलन कार्यक्रमों से हमारे बीच परस्पर स्नेह एवं अपनत्व का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि हमें हमारे अहंकार का दमन कर हमारा दृष्टिकोण बदलना चाहिए। समाज से हम हैं, हमसे समाज नहीं। हम समाज के अंग हैं और हमारे सामाजिक कार्य समाज की सेवा स्वरूप हैं न कि हम

समाज पर कोई उपकार कर रहे हैं। जो इस दृष्टिकोण से कार्य करता है, वही समाज का सहयोग पाता है। फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद के सदस्य अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह बसावता ने अधिवक्ताओं को समाज का प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक कार्य में अधिवक्ता के रूप में हम अपनी भूमिका निभा सकता है। इसके लिए चिंतन की आवश्यकता है। बार एसोसिएशन अध्यक्ष बिहारी सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता भरतसिंह सेरुणा, करण सिंह तंवर, डॉ सुरेंद्र सिंह शेखावत, नारायण सिंह किस्तुरिया, विक्रम सिंह नापासर, उदयसिंह पीरकामड़िया, प्रताप सिंह पिपासर आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में ईडब्ल्यूएस के प्रमाण पत्र बनवाने हेतु समाज में जागृति लाने एवं गांव-गांव में EWS प्रमाण पत्र बनवाने हेतु शिविर लगाने की आवश्यकता जताई। साथ ही स्नेहमिलन में यह प्रस्ताव भी रखा गया कि EWS का मूल बिल 14% आरक्षण का था, उसे उसी रूप में लागू किया जाना चाहिए एवं पंचायती राज सहित स्थानीय निकायों में भी यह आरक्षण लागू किया जाना चाहिए। सभी ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए इसके लिए अभियान चलाने पर सहमति दी। कार्यक्रम में संघ के संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर, फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद सदस्य जुगल सिंह बेलासर, देवेंद्र सिंह मेहलाना, रूपेंद्र सिंह न्यांगली, रघुवीर सिंह सेरुना, दलीप सिंह चरखड़ा, रामचंद्र सिंह भाटी, जालम सिंह पंवार, पदम सिंह सोढ़ा, जितेंद्र सिंह सेंसवास, गिरीराज सिंह भाटी, विजयपाल सिंह लाडूंदा सहित जिले के अधिवक्ता समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन फाउंडेशन के जिला प्रभारी नवीन सिंह भवाद ने किया।

फलवदी (सिरोही) में स्नेहमिलन संपन्न

पूज्य श्री तन सिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 26 मार्च को सिरोही जिले के फलवदी गांव स्थित वैजनाथ महादेव मंदिर में स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। सिरोही प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह सरण का खेड़ा ने उपस्थित समाजबंधुओं से कहा कि संघ समाज को जोड़ने के लिए एक अभियान के रूप में कार्य कर रहा है। उसी अभियान के अंतर्गत विभिन्न बहानों से हमें बार-बार एकत्रित करके एकता का पाठ पढ़ाया जाता है। यही कौम की वंदना करने का संघ का तरीका है। प्रताप सिंह ने सभी से 16 अप्रैल को जालौर में होने वाले किसान सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का निवेदन किया। मुकन सिंह व नरेंद्र सिंह ने

भी अपने विचार रखे एवं भावी पीढ़ी को संघ से जोड़कर वर्तमान के विषैले वातावरण में बच्चों को संस्कारित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वयंसेवक सुमेर सिंह उथमण, हमीर सिंह, ईश्वर सिंह, महेंद्र सिंह, कृष्ण पाल सिंह, शक्ति सिंह, सूर्यपाल सिंह, प्रवीण सिंह, अरविंद सिंह, सुजान सिंह, भगवत सिंह, दलपत सिंह, शैल सिंह, मदन सिंह, चंदन सिंह, महावीर सिंह, इंद्र सिंह सहित अनेकों समाज बंधु उपस्थित रहे।

श्री क्षत्रिय इकोनॉमिक फोरम हेतु हरियाणा में जनसंपर्क

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा आगामी 08 अप्रैल को दिल्ली में आयोजित होने वाले क्षत्रिय इकोनॉमिक फोरम कार्यक्रम को लेकर फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं द्वारा 18-19 मार्च को हरियाणा राज्य के फरीदाबाद, पानीपत और घुरंडा में क्षत्रिय व्यवसायियों एवं उद्यमियों से संपर्क किया गया। इस दौरान संपर्क टीम के सदस्य डॉ. सुल्तान सिंह खानडी, पवन सिंह बिखरनिया और अर्जुन सिंह सिसरवादा ने समाजबंधुओं से चर्चा करते हुए उन्हें श्री क्षत्रिय इकोनोमिक फोरम के बारे में बताया, साथ ही संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली पर भी चर्चा की। सभी व्यवसायी समाजबंधुओं को कार्यक्रम में सहभागी बनने के लिए भी निमंत्रित किया गया।

गुड़गांव मे क्षत्रिय व्यवसायियों की बैठक संपन्न: 12 मार्च को गुड़गांव के सेक्टर-29 स्थित जिमखाना क्लब में क्षेत्र के क्षत्रिय व्यवसायी बंधुओ की बैठक आयोजित हुई जिसमे श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख रेवत सिंह धीरा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया और पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के निमित्त सभी से सहयोग का निवेदन किया। संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक डॉ. सुल्तान सिंह खानड़ी ने आगामी 8 अप्रैल को श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित होने जा रही क्षत्रिय इकोनॉमिक फोरम की बैठक मे अधिकाधिक संख्या में दिल्ली NCR क्षेत्र के व्यवसायी बंधुओ की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु चर्चा करके कार्ययोजना तैयार की। डॉ. रणधीर सिंह चुई, कुलदीप सिंह मंदसौर सहित अन्य सहयोगियों ने संघ कार्य की महत्ता पर अपने विचार रखे। बैठक में लगभग 40 व्यवसायी बंधुओं ने भाग लिया।

किसान सम्मेलन की तैयारी बैठकें संपन्न

(16 अप्रैल को जालौर में होगा किसान सम्मेलन)

श्री प्रताप फाउंडेशन द्वारा आयोजित हो रहे किसान सम्मेलनों की श्रृंखला में अगला किसान सम्मेलन 16 अप्रैल को जालौर स्थित मलकेश्वर मठ में आयोजित होगा। सम्मेलन की तैयारियों हेतु जिले में विभिन्न स्थानों पर तैयारी एवं संपर्क बैठकें आयोजित की जा रही हैं। 16 मार्च को जालौर एवं भीनमाल में बैठकें आयोजित हुई जिनमें संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे एवं स्थानीय सहयोगियों से चर्चा कर कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु कार्ययोजना बनाई। 19 मार्च को सांचौर स्थित राजपूत कोटडी में बैठक आयोजित हुई जिसमें संभागप्रमुख के अतिरिक्त चितलवाना प्रधान प्रतिनिधि हिंदू सिंह दूठवा, छैल सिंह

जानवी, केसूरी सरपंच प्रतिनिधि मदन सिंह चौहान सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। 26 मार्च को सायला स्थित श्री जलंधरनाथ राजपूत छात्रावास में बैठक आयोजित हुई जिसमें सायला क्षेत्र के समाज बंधु सम्मिलित हुए। बैठक में सायला क्षेत्र के सभी गांवों में टीम बनाकर संपर्क यात्रा निकालने का निर्णय हुआ तथा इसके लिए दायित्व भी सौंपे गए।

कुचामन प्रांत में संपर्क यात्रा का आयोजन

नागौर संभाग के कुचामन प्रांत में पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 26 मार्च को विभिन्न गांवों में संपर्क यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान प्रांत के आसरवा, नगवाड़ा, लोरोली आदि गांवों में संपर्क किया गया एवं ग्रामवासियों को पूज्य श्री तन सिंह जी जन्म शताब्दी समारोह हेतु निमंत्रण दिया गया। कुचामन प्रांत प्रमुख नत्थू सिंह छापड़ा, बाबु सिंह नगवाड़ा, दीपेंद्र सिंह पलाड़ा, सुनील सिंह रसाल आदि यात्रा के दौरान उपस्थित रहे। लोरोली में सरपंच सुरेन्द्र सिंह लोरोली समाजबंधुओं सहित मौजूद रहे।

जेएनवीयू में सम्राट मिहिरभोज प्रतिहार शोधपीठ के लिए राज्यपाल से की मांग

12 मार्च को सम्राट मिहिरभोज प्रतिहार शोधपीठ संघर्ष समिति के रघुवीर सिंह बेलवा राणाजी ने सहयोगियों सहित राजस्थान के राज्यपाल माननीय कलराज मिश्र से सर्किट हाउस, जोधपुर में मुलाकात कर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में सम्राट मिहिरभोज प्रतिहार शोध पीठ खोलने के लिए मांग रखी। रघुवीर सिंह ने बताया कि संघर्ष समिति द्वारा पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े विश्वविद्यालय में शोध पीठ खोलने के लिए पिछले 3 वर्षों से प्रयास किए जा रहे हैं। उसी क्रम में राज्यपाल महोदय के सामने मांग रखी गई, जिस पर उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति से इस संबंध में फोन पर बातचीत की और जल्द ही अपनी ओर से विश्वविद्यालय को इस बारे में पत्र लिखने का भी आश्वासन दिया। इस दौरान भूपेंद्र सिंह साकड़ा, दुर्ग सिंह राजपुरोहित आदि उपस्थित रहे।

इतिहास की प्रेरणा और वर्तमान के श्रम से भविष्य का निर्माण करें: संरक्षक श्री

(माननीय संरक्षक श्री का मेवाड़ प्रवास संपन्न)

हमारा इतिहास निःसंदेह लाजवाब है। सभी इस बात को जानते हैं, कोई भी हमारे इतिहास की महानता को नकार नहीं सकता। लेकिन हमें वर्तमान और भविष्य की बात भी करनी चाहिए। क्षत्रिय जाति का जीवन कैसा था यह इतिहास की बात है, कैसा है यह वर्तमान की बात है और कैसा होना चाहिए यह भविष्य की बात है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने भूतकाल से प्रेरणा लेकर वर्तमान के श्रम के माध्यम से भविष्य का निर्माण करने के लिए ही श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की। उसी मार्ग पर संघ निरंतर चल रहा है। उपर्युक्त बात माननीय संरक्षक महोदय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने अपने मेवाड़ प्रवास के दौरान 19 मार्च को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में चित्तौड़गढ़ में 'नवप्रभा', ब्रह्मपुरी विस्तार, सेथी में आयोजित होली स्नेहमिलन समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने सभी को पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में दिल्ली पहुंचने का आमंत्रण देते हुए कहा कि हीरक जयंती कार्यक्रम के बाद अन्य राज्यों में रहने वाले स्वयंसेवकों व समाजबंधुओं द्वारा यह सुझाव दिया गया कि देश की राजधानी दिल्ली में भी इस प्रकार का कार्यक्रम होना चाहिए। उसी के अनुरूप पूज्य तनसिंह जी की 100वीं

जयंती 28 जनवरी 2024 को दिल्ली में मनाई जाएगी। यह पूरा वर्ष पूज्य तनसिंह की जन्म शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत सभी संभागों में इस प्रकार के 100 कार्यक्रम आयोजित होंगे। आज का कार्यक्रम भी उसी का एक अंग है। मैं आप सभी को सपरिवार दिल्ली पहुंचने के लिए आमंत्रित करता हूं। संरक्षक श्री ने कहा कि बोलने से अधिक हमारे जीवन व्यवहार और आचरण से लोगों पर प्रभाव पड़ता है। हमारा आचरण श्रेष्ठ होगा तो लोग हमारी बात भी सुनेंगे और उनका सहयोग भी हमें मिलेगा। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा किए जा रहे कार्यों को अनुकरणीय बताया तथा कहा कि क्षत्रिय वही होता है जो सभी को साथ लेकर चलता है। इसलिए हम भी सर्वसमाज के सभी वर्गों के हित के लिए काम करें। तेजपाल सिंह खोर, खुमाण सिंह अकोला गढ़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मेवाड़-मालवा संभाग प्रमुख ब्रजराज सिंह खारड़ा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान जौहर स्मृति संस्थान द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'जौहर शाका स्मारिका' का विमोचन माननीय संरक्षक महोदय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर एवं विधायक चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा किया गया। जौहर स्मृति संस्थान के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह विजयपुर अन्य पदाधिकारियों एवं संपादक मंडल के सदस्यों के साथ उपस्थित रहे। संस्थान द्वारा उपस्थित अतिथियों को जौहर प्रतीक चिन्ह भेंट स्वरूप प्रदान किए गए। स्नेहमिलन की पूर्व संध्या पर भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें कालू सिंह गंगासरा ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। पंडाल में श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं इसके अनुषंगिक संगठनों द्वारा किए जा रहे कार्यों को दशार्ती चित्र-प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में उदयपुर, भीलवाड़ा, नागौर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, कोटा, बूंदी आदि स्थानों से 1000 से अधिक समाजबंधुओं व मातृशक्ति की उपस्थिति रही। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली व वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। माननीय संरक्षक श्री 16 मार्च को अहमदाबाद से रवाना होकर उदयपुर पहुंचे। शाम को चार बजे संरक्षक श्री के सान्निध्य में उदयपुर के अशोक नगर में स्थित अलख नयन मंदिर में पारिवारिक स्नेह मिलन आयोजित किया गया जिसमें शहर में रहने वाले समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे। संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा एवं भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। 17 मार्च को संरक्षक श्री चित्तौड़गढ़ पहुंचे जहां अनेकों गणमान्य व्यक्ति उनसे भेंट करने पहुंचे। 18 मार्च को आप चित्तौड़गढ़ दुर्ग में आयोजित जौहर श्रद्धांजलि समारोह में सम्मिलित हुए। 19 मार्च को संरक्षक श्री चित्तौड़गढ़ स्नेहमिलन कार्यक्रम में सम्मिलित होने के पश्चात किशनगढ़ (अजमेर) में चल रहे श्री प्रताप फाउंडेशन के चिंतन शिविर में पधारे।

संघशक्ति में सड़क सुरक्षा अग्रदूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की प्रेरणा से आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड, राजस्थान सड़क सुरक्षा सोसायटी, श्री प्रताप युवा शक्ति तथा स्टील बर्ड द्वारा हेलमेट प्रोत्साहन - शिक्षा, जागरूकता एवं अनिवार्यता अभियान के तहत सड़क सुरक्षा अग्रदूत प्रशिक्षण एवं हेलमेट वितरण कार्यक्रम संघशक्ति भवन जयपुर में 26 मार्च को माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के सान्निध्य में आयोजित हुआ जिसमें 200 युवाओं ने सड़क सुरक्षा अग्रदूत के रूप में प्रशिक्षण लिया। संरक्षक श्री ने सभी युवाओं से आदर्श वाहन चालक के रूप में सड़क पर आचरण करने की बात कही। साथ ही वाहन चलाने के लिए सुरक्षित सड़क संस्कृति विकसित करने के लिए सभी के सहयोग को आवश्यक और महत्त्वपूर्ण बताया। श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने सभी युवाओं को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित सड़क संस्कृति विकसित करने की शपथ दिलायी। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण में आपने जो सीखा है, उसके अनुसार सभी यातायात नियमों का शत प्रतिशत पालन करते हुए जयपुर को हेलमेट युक्त, रिफ़्लेक्टिव युक्त, लाइसेंस युक्त, दुर्घटना मुक्त एवं दुर्घटना में घायल की मदद करने में आगे रहने वाला शहर बनाएं। राजस्थान सड़क सुरक्षा सोसायटी के प्रशिक्षक दीपक सिंह पंवार ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को यातायात नियमों व सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक बनाना है। सोसायटी विभिन्न संस्थाओं एवं कॉर्पोरेट के सहयोग से अब तक 45 हजार सड़क सुरक्षा अग्रदूत बनाकर उन्हें हेलमेट वितरित कर चुकी है। डॉ. निर्मल जैन, सदस्य राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार ने सभी अग्रदूतों से गुड सेमेरिटन प्रोत्साहन योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में घायल की मदद करने के लिए तत्पर रहने का निवेदन किया। अतिरिक्त प्रादेशिक परिवहन अधिकारी, अजमेर डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड ने अग्रदूतो को स्थानीय भाषा में नवीन सड़क सुरक्षा प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने घर से निकल कर वापिस घर सुरक्षित पंहुचने के सड़क सुरक्षा चक्र के 9 बिन्दुओं को उदाहरणों सहित समझाया। राजस्थान सड़क सुरक्षा सोसायटी के सह समन्वयक भरत राज गुर्जर ने बताया कि सही तरह से लगा आईएसआई स्टेंडर्ड का उच्च गुणवत्ता वाला हेलमेट दुर्घटना में मृत्यु की संभावना 70 प्रतिशत तक कम करता है। इसलिए हेलमेट लगाते समय उचित मार्का के हेलमेट के प्रयोग के साथ सही तरह से हेलमेट का चिन बेल्ट अवश्य लगाएं। श्री प्रताप युवा शक्ति के गजेन्द्र सिंह ने सभी का आभार जताया और ऐसे अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की बात कही। सभी अग्रदूतों को हेलमेट के साथ प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र तथा सड़क सुरक्षा पॉकेट बुक दी गई। सभी अतिथियों को सोसायटी एवं श्री प्रताप युवा शक्ति द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। कार्यक्रम के आयोजन में घनश्याम सिंह त्योद, अजीत सिंह राजनौता, योगेन्द्र सिंह राजलिया, विक्रम सिंह खंगारोत, हेमाराम आदि का सहयोग रहा।

शक्तिधाम (सुरेंद्रनगर) में स्नेहमिलन संपन्न

माननीय संरक्षक महोदय के गुजरात प्रवास के दौरान 13 मार्च को सुरेन्द्रनगर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय शक्तिधाम में संघ के सहयोगियों व समाज की विभिन्न संस्थाओं से जुड़े समाजबंधुओं का स्नेहमिलन रखा गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय संरक्षक श्री ने कहा कि हम जिस क्षेत्र में कार्यरत हैं, वहां यदि किसी से भेदभाव करते हैं तो भगवान की इच्छा की अवहेलना करने के साथ ही अपने पेशे का दुरुपयोग भी कर रहे हैं। हमें सभी के प्रति सद्भाव रखते हुए मानवता की सेवा में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए। उन्होंने बताया कि सेवा के मार्ग पर चलते हुए हमें धैर्य रखना है, किसी भी बात पर भड़कना नहीं है। हमें गीता में वर्णित क्षत्रिय के गुणों का पालन करना है, वह हमारा स्वधर्म है। हम अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं, पर वहां जाकर वे विद्याध्ययन नहीं करते हैं तो हमें बुरा लगता है। इसी तरह भगवान ने हमें जिस उद्देश्य से भेजा है, उसके अनुरूप कार्य नहीं करते हैं, अपने स्वधर्म का पालन नहीं करते हैं, तो भगवान भी हमसे प्रसन्न नहीं होंगे। माननीय संरक्षक श्री ने पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में गुजरात से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की बात कही और कहा कि हम तो केवल निमित्त मात्र बनकर कार्य करें, शेष सब भगवान पर छोड़ दें। गुजरात सरकार में पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह चूड़ासमा, झालावाड़ क्षत्रिय समाज के प्रमुख डॉ. रुद्र सिंह झाला, जयदीप सिंह झाला सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में पहुंचे एवं संरक्षक श्री से भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। शाम को सुरेंद्रनगर में रहने वाले स्वयंसेवकों के परिवार की मातृशक्ति ने भी शक्तिधाम पहुंचकर संरक्षक श्री का आशीर्वाद लिया। संरक्षक श्री की ओर से सभी को यथार्थ गीता पुस्तक भेंट की गई।

संपादकीय

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सामाजिक निहितार्थ

हाल ही में देश के एक प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दल के प्रमुख नेता और सांसद को आपराधिक मानहानि के मुकदमे में दो वर्ष की सजा और उसके कारण सांसद के रूप में अयोग्य ठहराए जाने के प्रकरण की पृष्ठभूमि में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न एक बार फिर से राष्ट्रीय विमर्श का विषय बना। विपक्ष और उसके समर्थक सत्ता-पक्ष पर सरकारी एजेंसियों और शक्तियों का दुरुपयोग करके अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का आरोप लगा रहे हैं तो सत्ता-पक्ष कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया की पालना की दुहाई देने के साथ विपक्ष पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर सामुदायिक घृणा, अपमान और राष्ट्र विरोधी भावनाएं भड़काने आदि का आरोप लगा रहा है। मीडिया और बौद्धिक वर्ग का एक हिस्सा मानहानि कानून को औपनिवेशिक काल का अवशेष बताकर उसे समाप्त करने की बात कर रहा है तो दूसरा हिस्सा राजनीतिज्ञों और उनके समर्थकों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर घृणा और कटुता को फैलाने से रोकने के लिए और अधिक सक्रियता की आवश्यकता बता रहा है। लेकिन दुखद यह है कि इस आरोप-प्रत्यारोप के शोर के बीच हो रहे विमर्श में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को केवल कानूनी दृष्टिकोण से देखा जा रहा है, जबकि इस विषय को व्यापक दृष्टिकोण से देखने और विमर्श को समस्या के लक्षणों तक सीमित न रखकर उसके मूल कारणों और उनके निवारण के उपायों तक ले जाने की आवश्यकता है। परंतु, आज देश में स्वार्थ, कटुता, छीना-झपटी और शाब्दिक युद्ध का जो वातावरण राजनैतिक, बौद्धिक वर्ग और मीडिया में बन चुका है, उसमें इस प्रकार के विमर्श को स्थान ही नहीं मिल पाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर चल रहे विमर्श का सर्वाधिक और अंतिम प्रभाव राजनीतिक और बौद्धिक वर्ग पर नहीं बल्कि सामाजिक जीवन पर पड़ता है, इसलिए इसे सामाजिक विमर्श का विषय बनाना अधिक समीचीन और आवश्यक है।

गहराई से देखें तो अभिव्यक्ति और उसकी स्वतंत्रता का प्रश्न मूलतः कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक प्रकृति का है। वर्तमान समय में जब सोशल मीडिया जैसे अभिव्यक्ति के माध्यमों तक प्रत्येक व्यक्ति की पहुंच सुलभ हो गई है, ऐसे में इसका सामाजिक महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। इसे हमारे देश का दुर्भाग्य ही कहा जा सकता है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात लोकतंत्र को अंगीकार करते समय हमारे नेतृत्व ने उसे भारतीय मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप ढालने की अपेक्षा उसके पाश्चात्य स्वरूप को ही कमोबेश अपनाया। लोकतंत्र की पाश्चात्य अवधारणा निश्चित रूप से अनेक श्रेष्ठताओं को भी लिए हुए है लेकिन मूल रूप से उसमें सामाजिक व्यवस्था और राज्य व्यवस्था को अलग मानकर राज्य की शक्ति को प्रधानता दी गई है जो मौलिक और सूक्ष्म रूप में तानाशाही प्रवृत्ति का बीजारोपण है। भारत के पास यह अवसर था कि वह लोकतंत्र को स्वीकार करते समय उसकी इस कमी को दूर करते हुए भारतीय कौटुंबिय व्यवस्था के आदर्शों और मूल्यों के अनुरूप व्यवस्था निर्मित करें, लेकिन देश के तत्कालीन नेतृत्व की पाश्चात्य दृष्टिकोण से प्रभावित विचारधारा और अदूरदर्शिता के कारण यह नहीं हो सका। वर्तमान लोकतंत्र में कानून व्यवस्था जिस नियमन की शक्ति का पूर्ण प्रतिनिधित्व करती है, वह वास्तव में राज्य सत्ता की स्वतंत्र शक्ति नहीं है, बल्कि समाज की सर्वांगीण शक्ति का ही एक अंग है। इसलिए शासन-प्रशासन व्यवस्था को सामाजिक व्यवस्था, मूल्यों और आदर्शों के पूरक के रूप में कार्य करना चाहिए न कि एक स्वतंत्र और आधिपत्यात्मक सत्ता के रूप में। दुर्भाग्य से ऐसा हो नहीं रहा है और इसीलिए अभिव्यक्ति और उसकी स्वतंत्रता के सामाजिक निहितार्थों पर चर्चा की अपेक्षा सारा विमर्श कानूनी और तकनीकी पेचीदगियों पर चर्चा तक सीमित होकर रह गया है।

दूसरी ओर, समाज में भी आज हर कोई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए अपना अधिकार जताने को तो उत्सुक है लेकिन इस बात पर किसी का चिंतन नहीं है कि हमारे द्वारा वही अभिव्यक्त होता है जो हमारे भीतर विद्यमान है। हमारे भीतर जो भी श्रेष्ठता अथवा नेष्ठता है, उसी को हम अभिव्यक्त करते हैं और आगे समाज में भी प्रसारित करते हैं। इसलिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सामाजिक अधिकार भी व्यक्ति के भीतर की श्रेष्ठता के लिए ही होना चाहिए, क्योंकि यदि नेष्ठता को निर्बाध रूप से अभिव्यक्त होने दिया जाए तो वह सामाजिक पतन का मार्ग खोलती है। गहराई से चिंतन करें तो पाएंगे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आदर्श में श्रेष्ठता को प्रकट होने की स्वतंत्रता और नेष्ठता के नियमन की व्यवस्था साथ-साथ विद्यमान है। लेकिन इस आदर्श को स्थापित करने का वास्तविक दायित्व समाज पर है न कि सरकारी नियंत्रण वाली कानून और प्रशासनिक व्यवस्था पर। जब भी प्रशासनिक व्यवस्था यह अधिकार अपने हाथ में लेगी तो उसकी निरंकुशता में वृद्धि होगी और वह निरंकुशता सत्ता की तानाशाही प्रवृत्ति को मजबूत करेगी। इसलिए कानून व्यवस्था को तो सामाजिक व्यवस्था के पूरक के रूप में ही कार्य करना चाहिए और समाज को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आदर्श स्वरूप को स्थापित करने के लिए व्यक्तियों में श्रेष्ठता के निर्माण और नेष्ठता के नियमन की भारतीय व्यवस्था को पुनः विकसित और सुदृढ़ करना चाहिए। यह व्यवस्था सदैव से व्यक्ति निर्माण की सूक्ष्म प्रक्रिया के रूप में भारतीय शिक्षा पद्धति में निहित रही है लेकिन परतंत्रता के काल में पाश्चात्य शक्तियों द्वारा उस शिक्षण पद्धति को नष्ट करके अपने हितों के अनुकूल एक अधूरी और निकृष्ट शिक्षण व्यवस्था भारत पर थोपी गई। दुर्भाग्य से आज भी हम उस व्यवस्था को अपेक्षित रूप में परिवर्तित करके भारतीय मूल्यों को उसमें पुनर्स्थापित नहीं कर पाए हैं। ऐसा किए बिना भारतीयता अपने खोए हुए गौरव को पुनः प्राप्त नहीं कर सकती, न ही देश की शासन-प्रशासन व्यवस्था को भारतीयता के आदर्शों के अनुरूप ढाला जा सकता है, क्योंकि व्यवस्था का संचालन करने वाले व्यक्तियों की श्रेष्ठता ही व्यवस्था को भी श्रेष्ठ बना सकती है। श्री क्षत्रिय युवक संघ इसी कमी को पूरा कर रहा है। समाज की भावी पीढ़ी को क्षात्रधर्म का पाठ पढ़ाकर उनके माध्यम से भारतीयता के आदर्शों और मूल्यों को भारतीय सामाजिक जीवन में पुनर्प्रतिष्ठित करने का कार्य संघ कर रहा है। संघ हमें अभिव्यक्त होने से पहले हमारे भीतर श्रेष्ठता के निर्माण की बात कहता है और उसके लिए एक व्यावहारिक प्रणाली भी प्रदान करता है। आएं, हम भी इस प्रणाली के अंग बनें और अभिव्यक्ति से पहले अभिव्यक्त होने योग्य भीतरी संपत्ति का अर्जन करें।

रामगढ़ में समारोह पूर्वक मनाई वीर मायथी जी की जयंती

पूज्य श्री तन सिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रंखला में जैसलमेर संभाग में रामगढ़ स्थित राजपूत छात्रावास में 19 मार्च को वीर मायथी जी की जयंती मनाई गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वीर मायथी जी ने क्षात्र-धर्म का पालन करते हुए जीवन जिया इसीलिए हम आज उन्हें स्मरण कर रहे हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ भी क्षात्र-धर्म के पालन के लिए ही संगठन का निर्माण कर रहा है। एक ध्येय, एक मार्ग, एक नेता और एक ध्वज के सिद्धांत पर चलने वाला संगठन ही सच्चा संगठन है, इसीलिए संघ हमें एकता का पाठ पढ़ा रहा है। हमें एक करके हमारी ऊर्जा को सत्योन्मुखी बनाने के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ पिछले 76 वर्षों से निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने बालकों को संघ की शाखा एवं शिविरों में भेजें जिससे हमारे समाज में फिर से वीर मायथी जी जैसे आदर्श व्यक्तित्वों का निर्माण हो सके। भगवान सिंह जोगा ने वीर मायथी जी का जीवन परिचय बताते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। पूर्व विधायक छोटू सिंह भाटी ने वीर मायथी जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने आप को बदलने और समाज और राष्ट्र की सेवा करने की बात कही। किशन गिरी गोस्वामी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य को सकारात्मक और सभी के हित में बताते हुए इसे और अधिक विस्तारित करने की बात कही। जिला प्रमुख प्रताप सिंह ने समाज को प्रेरित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता जताई और सभी का आभार व्यक्त किया। गोवर्धन सिंह अर्जुना, शिक्षाविद आईदान सिंह ने भी अपने विचार रखे। वरिष्ठ स्वयंसेवक सांवल सिंह मोढा ने सभी को पूज्य श्री तन सिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में बताते हुए सभी को अगले वर्ष जनवरी में दिल्ली में होने वाले मुख्य समारोह में पहुंचने का निमंत्रण दिया। समारोह में जैसलमेर शहर, सुल्ताना, रामगढ़, जसोड़ाटी, सोढाण आदि क्षेत्रों से सर्व समाज के लोगों ने भाग लिया। पदम सिंह रामगढ़ ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के दौरान स्नेह भोज भी रखा गया। जयंती समारोह के साथ होली स्नेहमिलन और राजपूत सेवा समिति की बैठक का भी आयोजन हुआ जिसमें छात्रावास के विकास एवं मायथी जी की आगामी जयंती मनाने के संबंध में चर्चा हुई।

गांधीनगर (गुजरात) में तैयारी बैठक संपन्न

गांधीनगर में 8 अप्रैल को आयोजित होने जा रहे स्नेहमिलन कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों हेतु एक बैठक 26 मार्च को गांधीनगर स्थित सेंट्रल विस्टा गार्डन में आयोजित हुई। बैठक के दौरान प्रांतप्रमुख दिग्विजय सिंह पलवाड़ा ने कार्यक्रम के स्थल के चयन, व्यवस्था, संपर्क आदि विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। संभागप्रमुख अणदुभा काणेटी सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। इसके पश्चात सभी ने आयोजन हेतु संभावित स्थलों का दौरा भी किया।

सेंथी (चित्तौड़गढ़) में आदियोगी योगशाला का उद्घाटन

चित्तौड़गढ़ के उपनगरीय क्षेत्र बापूनगर सेंथी में आदियोगी योगशाला के योग स्टूडियो का उद्घाटन 23 मार्च को महंत चंद्रभारती जी महाराज, पीठाधीश्वर श्री हजारेश्वर महादेव मंदिर एवं चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा किया गया। योगशाला संचालक देवराज सिंह जगपुरा तथा शैली सोलंकी ने बताया कि सेंथी में उदयपुर रोड़, एच.डी.एफ.सी बैंक के सामने स्थित योगशाला में बच्चों के लिए ट्रेडिशनल योग, आसन, प्राणायाम, हठयोग सहित विभिन्न बीमारियों के लिए योग थैरेपी सिखाई जाएगी। इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ प्रधान देवेंद्र कंवर, भदेसर प्रधान सुशीला कंवर, जिला योगसंघ के सचिव सुरेश शर्मा, पूर्व खेल अधिकारी अनिरुद्धसिंह बानीणा, जौहर स्मृति संस्थान महामंत्री तेजपालसिंह खोर, कोषाध्यक्ष गोवर्धनसिंह भाटियों का खेड़ा, चित्तौड़गढ़ प्रांत प्रमुख दिलीपसिंह रूद आदि समाजबंधु उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली व वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही।

नागौर जिले के ई-मित्र संचालकों की बैठक संपन्न

श्री क्षात्र पुरूषार्थ फाउंडेशन द्वारा नागौर जिले के ई-मित्र संचालकों के साथ संवाद बैठक 26 मार्च को नागौर शहर स्थित श्री अमर राजपूत छात्रावास में आयोजित हुई। फाऊंडेशन के जिला प्रभारी जब्बरसिंह दौलतपुरा ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में बताया। श्री क्षात्र पुरूषार्थ फाउंडेशन की केन्द्रीय समिति के सदस्य जयसिंह सागु ने फाउंडेशन के उद्देश्य और अब तक फाउंडेशन द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ई-मित्र वर्तमान व्यवस्था में सरकार और जनता के बीच की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसलिए हमें क्षात्रभाव को अपनाकर कार्य करना चाहिए ताकि योग्य लोगों तक सरकारी योजनाओं का फायदा पहुंचे। हम सब आम आदमी के लिए इस तकनीकी युग में कैसे सहायक बनें, इस पर हमें मंथन करना चाहिए। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभाग प्रमुख शिम्भु सिंह आसरवा ने सभी ई-मित्र संचालकों से कहा कि सर्व-समाज आज भी हम लोगों को आदर्श मानता है इसलिए हमारी जवाबदेही न केवल अपने समाज के लिए है बल्कि राष्ट्र के प्रति भी है। हमारे पूर्वजों के जीवन-मूल्यों के अनुरूप हम इस व्यवस्था का हिस्सा बनकर व्यवस्था संचालन में सहयोगी बनें जिससे गांव-ढाणी में बैठा प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सके। ईश्वर ने हमें सेवा का अवसर दिया है, इसका भरपूर उपयोग कर मानवतावादी दृष्टिकोण से कार्य करें। ई-मित्र संचालक सांग सिंह देऊ ने महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं के बारे में बताया। मगन सिंह बरनेल, श्रवण सिंह रोहिणा, सूबेदार छैल सिंह खेतास आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के नागौर प्रांत प्रमुख उगम सिंह गोकुल व अन्य सहयोगियों सहित छात्रावास के सभी युवा उपस्थित रहे एवं मार्ग दर्शन प्राप्त किया। छात्रावास कार्यकारिणी के सदस्य अमर सिंह भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

भूंगरा त्रासदी के पीड़ितों को आर्थिक मदद

भूंगरा गैस त्रासदी में घायल हुए लोगों को आर्थिक मदद के लिये श्री क्षत्रिय सेवा संस्थान द्वारा एकत्रित सहयोग राशि चेक के माध्यम से पीड़ितों को सौंपी गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेमसिंह रणधा ने बताया कि हादसे के बाद पीड़ितों की सहायतार्थ संघ के स्वयंसेवकों व समाजबंधुओं द्वारा सहायता राशि एकत्रित की गई थी। 26 मार्च को भूंगरा, रायसर, चाबा, बस्तवा माताजी गांवों में घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के साथ ही सहयोग राशि सौंपी गई। इस दौरान संघ के संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक, शेरगढ प्रांत प्रमुख भैरूसिंह बेलवा, लूणकरणसिंह तेना, भीखसिंह सेतरावा, सरपंच प्रतिनिधि कानसिंह, जोगेन्द्रसिंह नाहरसिंह नगर सहित अनेकों समाजबंधु मौजूद रहे।

कमल सिंह शेखावत का नीट पीजी में 237वां स्थान

जयपुर के लुहाकना खुर्द निवासी डॉ. कमल सिंह पुत्र हिम्मत सिंह शेखावत ने नेट पीजी परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 237वां स्थान प्राप्त किया है। कक्षा 10 में राज्य मेरिट में पांचवा स्थान प्राप्त करने वाले कमल सिंह ने 2017 में नीट यूजी परीक्षा में भी अखिल भारतीय स्तर पर 71वां स्थान प्राप्त किया था। वर्तमान में वे एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करके इंटर्नशिप कर रहे हैं।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	उ.प्र.शि. (पुरुष)	18.05.2023 से 29.05.2023 तक	**भवानी निकेतन,** जयपुर। 18 मई को प्रातः 8 बजे तक शिविर स्थल पर पहुंचना है। पूर्व में 2 प्रा.प्र.शि. व 1 मा.प्र.शि. किए हुए हों तथा दसवीं की परीक्षा दी हुई हो। पूरा शिविर नहीं करने वाले 23 मई को पूर्व अनुमति लेकर आ सकेंगे। 29 मई से पूर्व जाने की स्वीकृति नहीं होगी। शिविर शुल्क प्रति शिविरार्थी 100 रुपये शिविर में देय होगा। निर्देशिका, झनकार, मेरी साधना व साधना पथ पुस्तकें तथा निर्देशिका में शिविर हेतु वर्णित सामग्री साथ लेकर आनी है। सायंकालीन प्रार्थना की गणवेश धोती, कुर्ता व केशरिया साफा होगी एवं प्रातःकालीन प्रार्थना में संघ की गणवेश अनिवार्य होगी।
02.	मा.प्र.शि. (मातृशक्ति)	23.05.2023 से 29.05.2023 तक	**भवानी निकेतन,** जयपुर। **नोटः-** पूर्व में न्यूनतम दो शिविर किए हुए हों। दसवीं की परीक्षा दी हुई हो। शिविर शुल्क प्रति शिविरार्थी 50 रुपये शिविर में देय होगा। निर्देशिका में शिविर हेतु वर्णित सामग्री एवं संघ की गणवेश साथ लेकर आनी है। सायंकालीन प्रार्थना में यथासंभव परंपरागत केशरिया (लहंगा ओढणी या साड़ी) गणवेश लेकर आयें। विवाहित महिलाएं वे ही शामिल हो सकेंगी जिनको आमंत्रित किया जाएगा। बालिकाओं के साथ आने वाले व वापस लेकर जाने वाले स्वयंसेवकों को भी पूर्व अनुमति लेना आवश्यक होगा एवं उनकी भी गणवेश आवश्यक है।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

चिंतलपाटि वेंकटपति राजू को पद्मश्री पुरस्कार

आंध्रप्रदेश के एटिकोप्पका गांव के निवासी चिंतलपाटि वेंकटपति राजू को केंद्र सरकार द्वारा कला श्रेणी में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राजू खिलौना निर्माता है एवं प्राकृतिक टिकाऊ रंगों का उपयोग करके सदियों पुरानी परंपरा को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए उन्हें इस सम्मान के लिए चुना गया। सीवी राजू द्वारा परंपरागत खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने के कार्य की सराहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 'मन की बात' कार्यक्रम में कर चुके हैं।

सांगवाडा (सिरोही) में स्नेहमिलन संपन्न

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 19 मार्च को सिरोही जिले के सांगवाडा (सरूपगंज-आबूरोड हाईवे) स्थित एकलिंग नाथ मंदिर में स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के सिरोही प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह सरण का खेड़ा ने कार्यक्रम की भूमिका बताते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ 2023-2024 को पूज्य श्री के जन्म शताब्दी वर्ष के रूप में मना रहा है। इसी के निमित्त प्रत्येक जिले में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित हो रहें हैं, जिनमें समाजबंधुओं को दिल्ली में होने वाले मुख्य कार्यक्रम में पहुंचने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। ये कार्यक्रम भी उसी श्रृंखला की एक कड़ी है। कार्यक्रम में प्रताप सिंह सादलवा, हनवंत सिंह आमथला, पहाड़ सिंह तरूगी, स्वरूप सिंह झिंझनियाली ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान 16 अप्रैल को श्री प्रताप फाउंडेशन के तत्वावधान में जालौर के मलकेश्वर मठ में आयोजित होने जा रहे किसान सम्मेलन की जानकारी देकर सभी से वहां पहुंचने का निवेदन भी किया गया। कार्यक्रम में अनेकों समाज बंधु उपस्थित रहे।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

बीकानेर में राजपत्रित अधिकारी स्नेहमिलन संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा बीकानेर जिले में पदस्थापित क्षत्रिय राजपत्रित अधिकारियों का पारिवारिक स्नेहमिलन कार्यक्रम 26 मार्च को इंदिरा गांधी नहर परियोजना के प्रथम श्रेणी विश्राम गृह में आयोजित किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का निर्माण समाज में फैली निराशा के वातावरण को समाप्त कर सामाजिक क्रांति को एक समुचित दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से हुआ है। अभावों की शिकायतें करने से समाज में परिवर्तन नहीं आता, उसके लिए हमें अपना दृष्टिकोण बदलना होगा और हमारे पास जो क्षमताएं एवं साधन उपलब्ध हैं, उनका सदुपयोग करना हमें सीखना होगा, तभी हम समाज में वास्तविक और क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकते हैं। ऐसे स्नेहमिलन भी उसी क्रांति को पल्लवित करने के प्रयास हैं। हमें इस प्रकार से साथ बैठने के अवसर निरंतर और बार-बार जुटाने होंगे जिससे हमारा अपनत्व घनीभूत हो और हम अपनी क्षमताओं का सामूहिक रूप से समाज हित में उपयोग करना सीख सकें। गोविंद सिंह लिचाणा (अधिशाषी अभियंता), गोविंद सिंह चौहान (उपायुक्त, राज्य कर विभाग), प्रोफेसर गजेंद्र सिंह सहनाली, विक्रम सिंह झाला (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो चीफ बीकानेर), डॉ. जी.पी .सिंह, यशवंत सिंह मिंगसरिया, महिपाल सिंह सहनाली, जितेंद्र सिंह बीरमाना, शिवेंद्र सिंह, तरुणा राठौड़, डॉ. संतोष कंवर, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. विक्रांत सिंह, डॉ. त्रिभुवन सिंह, रणविजय सिंह राठौड़, सुरेंद्र सिंह तवंर आदि अधिकारीगण ने भी अपने विचार रखे और कहा कि हमें राजकीय सेवाओं में समाज का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की आवश्यकता है, साथ ही सभी ने मिलकर राष्ट्र निर्माण के कार्य में सहयोग देने की बात भी कही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरेंद्र सिंह जालिमपुरा ने किया। चुरू संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना सहित फाउंडेशन के जुगल सिंह बेलासर, नवीन सिंह भवाद, गजेंद्र सिंह लूंछ आदि सहयोगी भी उपस्थित रहे।

आकांक्षा देवड़ा ने जीता स्वर्ण पदक

जालौर जिले के जाखड़ी गांव की निवासी आकांक्षा देवड़ा ने श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर (जयपुर) के पंचम दीक्षांत समारोह में विद्यावाचस्पति (पीएचडी) डिग्री में 89.10% अंक प्राप्त कर राज्यपाल से स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। आकांक्षा ने पीएचडी 'पौध व्याधिविज्ञान' विषय में शोध कार्य 'गेंहु के धारीदार रतुआ रोग (पक्सीनिया स्ट्राइफॉर्मिस फॉर्मा स्पेसियेलिस ट्रिटिसाई) का व्यापिकी अध्ययन एवं प्रबन्धन' पर पूर्ण की है। प्रारम्भ से ही प्रतिभाशाली विद्यार्थी रही आकांक्षा इससे पूर्व 2012 में बाहरवीं बोर्ड में जालोर जिले की मेरिट में रह चुकी है व स्नातक (बीएससी) में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में 'स्वर्ण पदक' प्राप्त कर चुकी है। इनके पिता नाहर सिंह जाखड़ी श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हैं एवं वे भी इसी विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडलिस्ट रह चुके हैं। आकांक्षा ने भी श्री क्षत्रिय युवक संघ के अनेक शिविरों में भाग लिया है।

बिहारी सिंह राठौड़ बने बीकानेर बार एसोसिएशन अध्यक्ष

राजगढ़ तहसील के लीलकी गांव के निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता बिहारी सिंह राठौड़ बीकानेर बार एसोसिएशन के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। बीकानेर कोर्ट में लगातार 30 वर्षों से प्रैक्टिस कर रहे बिहारी सिंह निरंतर सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहे हैं एवं क्षत्रिय सभा की कार्यकारिणी में भी सदस्य हैं। उनके अध्यक्ष बनने पर क्षत्रिय सभा अध्यक्ष करण प्रताप सिंह सिसोदिया, जुगल सिंह बेलासर, नारायण सिंह किस्तुरिया, विजेंद्र सिंह गीगासर, विक्रम सिंह नापासर, गिर्राज सिंह भाटी, रुपेंद्र सिंह न्यांगली, विजयपाल सिंह लांडुदा सहित अनेकों अधिवक्ताओं व समाजबंधुओं ने शुभकामनाएं दी।

डॉ. कमल सिंह बेमला को महारानी पद्मिनी पुरूस्कार

भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी और फार्मेसी महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. कमल सिंह राठौड़ बेमला को जौहर स्मृति संस्थान, चित्तौड़गढ़ ने जौहर मेले के अवसर पर समाज सेवा में विशेष दायित्व, शिक्षा व शोध लेखन के क्षेत्र में अर्जित उपलब्धियों के लिये प्रतिष्ठित महारानी पद्मिनी पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन्हें श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाबसर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राजस्थान सरकार के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, विश्वराज सिंह मेवाड़ व जौहर स्मृति संस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह विजयपुर द्वारा प्रदान किया गया। ज्ञातव्य है कि डॉ. राठौड़ को कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में 1100 से ज्यादा वेबीनार के माध्यम से शिक्षा की अलख जगाने हेतु भी कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। बीएन संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो कर्नल शिव सिंह सारंगदेवोत एवं विद्या प्रचारिणी सभा की समस्त कार्यकारिणी ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कृषि क्षेत्र में नवाचार के लिए विक्रम सिंह तारातरा सम्मानित

तिलवाड़ा में आयोजित मल्लीनाथ पशु मेले के दौरान 22 मार्च को बाड़मेर के तारातरा निवासी किसान विक्रम सिंह को कृषि क्षेत्र में नवाचार करने हेतु केंद्रीय पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला एवं केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विक्रम सिंह ने विदेशी कंपनी मकेन के साथ करार कर-के अपने 65 बीघा खेत में आलू की खेती की जिससे उन्हें 400 टन आलू की पैदावार मिली। विक्रम सिंह ने ग्रामीण महिलाओं को भी प्रशिक्षित करके रोजगार उपलब्ध करवाया है, साथ ही उन्होंने घुमंतू जातियों के लोगों को भी कृषि वीर के नाम से इस नवाचार में अपने साथ जोड़ा। विक्रम सिंह श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक महेंद्र सिंह तारातरा के भाई हैं।

आशु सिंह लाछड़ी को ग्लोबल प्राइड सम्मान

भारतीय अभियांत्रिकी सेवा (आईईएस) के अधिकारी आशु सिंह को ग्लोबल प्राइड अवार्ड से सम्मानित किया गया है। नागौर जिले के लाछड़ी गांव के निवासी आशु सिंह को यह सम्मान राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाने पर ह्यूमन प्राइड संस्थान द्वारा दिल्ली के संविधान क्लब में आयोजित समारोह में दिया गया। आशु सिंह वर्तमान में दिल्ली में सीमा सुरक्षा संगठन में उपमहानिदेशक के पद पर सेवाएं दे रहे हैं। वे इससे पूर्व भारत के राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट सेवा मेडल तथा अति विशिष्ट सेवा मेडल से भी सम्मानित हो चुके हैं।

सांवलोदा में सामाजिक सौहार्द की अनुकरणीय मिसाल

सीकर जिले के सांवलोदा धायलान गांव में क्षत्रिय समाज द्वारा वाल्मीकि समाज की तीन बहनों की शादी की जिम्मेदारी संभाल कर एक अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की गई है। सरपंच प्रतिनिधि बृजेंद्र सिंह सांवलोदा ने बताया कि श्री क्षत्रिय युवक संघ की हीरक जयंती के समय माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी द्वारा दिए गए सामाजिक सद्भावना के संदेश के अनुकरण में 15 मार्च को गांव के राजपूत समाज ने वाल्मीकि समाज के रतनलाल की तीन पुत्रियों के विवाह की जिम्मेदारी सभी ग्रामवासियों के साथ मिलकर संभाली और बारातियों की आवभगत की। इस अवसर पर सरपंच हरिओम कंवर, उपसरपंच सुरेश शेषमा, सुमेर सिंह, भैरो सिंह, त्रिलोक सिंह, भवानी सिंह, नरेंद्र सिंह, जीवराज सिंह, रघुवीर सिंह, बलवीर सिंह, ओमप्रकाश मूंड, संजय धायल सहित अनेकों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सूरत में मनाया अधिकतम संख्या दिवस

19 मार्च को सूरत प्रांत के गोदादरा स्थित महर्षि आस्तिक स्कूल में वीर दुगार्दास शाखा में मासिक अधिकतम संख्या दिवस मनाया गया जिसमें सूरत की सभी शाखाओ के स्वयंसेवक एवं अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे। प्रांतप्रमुख खेत सिंह चांदेसरा ने पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष में पूज्य श्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन पूर्ण सिंह धवला ने किया। संख्या 250 रही।

(पृष्ठ एक का शेष)

मन थकना...

पूज्य तनसिंह जी ने संकल्प लिया कि जीवन भर मैं श्री क्षत्रिय युवक संघ के लिए काम करूंगा और संघ समाज के लिए है इसलिए उनका जीवन भी समाज के लिए ही था। अपने और अपने परिवार के लिए तो सब जीते हैं, हमारा प्रयत्न यह होना चाहिए कि हम अपनी क्षमताओं का उपयोग समाज के लिए करें। संसार से मिला हुआ शरीर संसार की सेवा में लगा रहना चाहिए, यदि ऐसा नहीं करते हैं तो हम अपराधी बन जाते हैं। इसी तरह आत्मा भगवान में लगी रहनी चाहिए, भगवान का चिंतन होना चाहिए। भगवान सदैव हमें शिक्षा दे रहे हैं, हमारी जीत में भी और हमारी हार में भी। इसलिए जीतने पर बहुत ज्यादा प्रसन्न होने की आवश्यकता नहीं है और हारने पर निराश होने की आवश्यकता नहीं हैं।

श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि हम ऐसे भाव को जागृत कर पाएं कि हम सभी एक ही परिवार के हैं, चाहे हम कांग्रेस में हों या बीजेपी में या किसी अन्य दल में, तभी इस चिंतन शिविर की सार्थकता है। हम सबकी चिंता यह होनी चाहिए हम कैसे मिलकर आगे बढ़ें। इस परिवार के विकास के लिए मैं जो कर सकता हूं, वह मुझे करना है। हम एक दूसरे को जानें और पहचानें, जिससे यदि हममें से किसी के साथ भी कुछ गलत हो तो हम सभी को पीड़ा हो और उसके निवारण के लिए हम मिलकर प्रयत्न करें। हम किसी भी राजनीतिक दल में रहें, मुख्य बात समाज के विकास की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी जो नए-नए जिले बनने की घोषणा हुई है, उनमें भी राजनीति में नए अवसर मिलेंगे, इसलिए अभी से सक्रिय रहिए। कई स्थानों पर हमारे अनेक लोग चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, उसमें कोई समस्या नहीं है लेकिन सामाजिक भाव ये कहता है कि जब किसी एक को टिकट मिल जाए तो बाकी सब उसके साथ हो जाएं। राजनीतिक दल भी हमारी बात तभी सुनेंगे जब जब हम ताकतवर बनेंगे और ताकत हमारी एकता से ही आएगी। समाज यही प्रयत्न करता है कि हमारे समाज के जिन लोगों को टिकट मिली है, उनके साथ रहे लेकिन हमारे ही कुछ लोग इसमें टांग अड़ाते हैं। हर क्षेत्र में हमको सामाजिक भाव बढ़ाना है, तब हम हर क्षेत्र में अग्रणी भी होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है। इस चिंतन शिविर का मुख्य उद्देश्य है कि हमारा सामाजिक भाव मजबूत बने, समाज के लिए हम अपनी जिम्मेदारी अनुभव करें और उस जिम्मेदारी को निभाने के लिए आगे बढ़ें। यह भाव हममें जागृत रहा तो आने वाले चुनावों में भी हम निश्चित रूप से अधिक विजयी होंगे।

चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने कहा कि किसी भी कार्य को करने के लिए शक्ति की आवश्यकता होती है। राजनीति आदि कार्यों में भी शक्ति की आवश्यकता होती है। बिना शक्ति के न संघ चल सकता है, न श्री प्रताप फाउंडेशन चल सकता है और न कोई दूसरी संस्थाएं चल सकती हैं। इसलिए इतने वर्षों से श्री क्षत्रिय युवक संघ शक्ति का निर्माण कर रहा है। वह शक्ति निर्मित हो गई है और हम सर्वशक्तिमान बन गए हैं, ऐसी बात नहीं है लेकिन कुछ अतिरिक्त शक्ति का निर्माण हुआ है जिसको संघ के मूल कार्य से इतर खर्च किया जा सकता है। उसी शक्ति का संघ के आनुषंगिक संगठनों के माध्यम से उपयोग किया जा रहा है। 2001 में जब श्री प्रताप फाउंडेशन का निर्माण हुआ, उस समय इतनी अतिरिक्त शक्ति नहीं थी पर उस समय जो दबाव निर्मित हुआ, उस दबाव में श्री प्रताप फाउंडेशन का निर्माण हुआ और संघ पर उसे थोपा गया। लेकिन जब जिम्मेदारी आ गई तो उस जिम्मेदारी से भागना संघ श्रेष्ठ काम नहीं मानता, इसलिए उस जिम्मेदारी को निभाना हमने अपना दायित्व समझा और जैसी हमारी शक्ति थी, उसी से निरंतर रूप से काम चलता रहा। धीरे-धीरे जब वह शक्ति बढ़ी तो श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन, श्री प्रताप युवा शक्ति के रूप में भी काम होने लगा। उन्होंने आगे कहा कि संघ संगठन का काम करता है और श्री प्रताप फाउंडेशन भी संगठन का ही काम है। राजनीति में हम किस प्रकार से संगठित हो सकते हैं, वह श्री प्रताप फाउंडेशन बताता है। संघ व्यक्ति का निर्माण करता है क्योंकि क्रांति यदि प्रारंभ करनी है तो स्वयं से ही प्रारंभ करनी होती है। व्यक्तिगत क्रांति से हम समाज में क्रांति लाना चाहते हैं। जब समाज में क्रांति होती है तो उसकी अगली सीढ़ी राजनीतिक क्रांति होती है। उस राजनीतिक क्रांति में भी संघ ने कुछ दखल देना प्रारंभ किया है। संघ की तरफ से श्री प्रताप फाउंडेशन भी अपने आप में एक विचार है और कोई विचार जब समाज में बहने लगता है, जब उसको लोग स्वीकार करना प्रारंभ कर देते हैं तब वह एक विचारधारा बन जाती है। श्री प्रताप फाउंडेशन भी एक विचारधारा बन चुका है और अब लोगों के व्यवहार में उतरकर विचार दर्शन बनने की ओर अग्रसर है। श्री प्रताप फाउंडेशन हमें बता रहा है कि किस प्रकार से हमें राजनीति करनी चाहिए, किस प्रकार समाज की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। हमको प्रतिस्पर्धा तो करनी है लेकिन उसमें समाज को नहीं भूलना है। राजनीति में रहकर भी हमारे लिए समाज सर्वोपरि है, हम समाज की बात मानें, यह विचार श्री प्रताप फाउंडेशन देता है। राजनीति करते हुए भी हमारा केंद्र बिंदु, हमारा सूत्रधार समाज होना चाहिए और उससे हमारा निरंतर संपर्क रहना चाहिए, तभी हम सही राजनीति कर पाएंगे। क्षत्रिय अपने लिए नहीं जीता, किसी वर्ग विशेष के लिए नहीं जीता, वह सब के काम आता है। वह संसार के काम भी आएगा, वह राष्ट्र के काम भी आएगा, इसलिए राजनीति में भी क्षत्रिय को अपनी भूमिका निभानी आवश्यक है। यही श्री प्रताप फाउंडेशन के माध्यम से राजनीति में दखल देने का संघ का उद्देश्य है। 18 व 19 मार्च को किशनगढ़ के आर के कम्युनिटी सेंटर में आयोजित इस दो दिवसीय चिंतन शिविर में राजस्थान के लगभग प्रत्येक जिले से राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल हुए। शिविर में राजपूत मतों की संख्या और तदनुसार हमारे प्रतिनिधित्व का तुलनात्मक पर चिंतन किया गया एवं किस प्रकार राजस्थान के हर विधानसभा क्षेत्र में हमारी उपस्थिति को राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने में खर्च किया जा सकता है इस पर विस्तृत चर्चा हुई। 1980 के बाद हमारे प्रतिनिधित्व की स्थिति का विश्लेषण किया गया एवं इसे बढ़ाने के उपायों पर सभी ने अपने सुझाव दिए। 150 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में हमारे 10000 से अधिक वोट हैं, जबकि राजनीतिक दल हमें इसके अनुपात में प्रतिनिधित्व नहीं देते हैं इस विषय में भी चिंतन किया गया एवं अंत में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले अपने अपने क्षेत्र में श्री प्रताप फाउंडेशन के बैनर पर कार्यक्रम करने, अपने अपने क्षेत्र में राजपूत मतदाताओं की सही संख्या का आकलन करने, अप्रेल माह में जयपुर में एक जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित करने एवं EWS आरक्षण को पंचायती राज आदि स्थानीय चुनावों में लागू करवाने के लिए अभियान चलाने को लेकर कार्ययोजना बनाई गई।

सबको...

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष में सभी तक एकता का यह संदेश पहुंचाएं। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने 15 मार्च को गुजरात में भावनगर के मेघाणी ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय जाति का जीवन त्यागमय जीवन रहा है। इसी त्याग के कारण हमने सबका रक्षण और पोषण किया। लेकिन आज जिन लोगों पर शासन का दायित्व है, उनकी केवल सत्ता पर नजर है। मानव कल्याण में हमारा क्या सहयोग हो सकता है, उस ओर किसी का चिंतन नहीं है। श्री क्षत्रिय युवक संघ उस चिंतन को जागृत कर रहा है। पूज्य तनसिंह जी की प्रेरणा से श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य उत्तरोत्तर बढ़ता ही जा रहा है। कुछ विवशताओं के कारण कुछ साथी हमेशा साथ नहीं चल पाते क्योंकि घरेलू दायित्वों या अन्य समस्याओं में उलझ जाते हैं। लेकिन यह काम रुकने वाला नहीं है। नए सहयोगी मिलते जाएंगे, कारवां चलता रहेगा। गोहिलवाड़ राजपूत समाज के प्रमुख वासुदेव सिंह, पाइफंड सोसायटी के प्रमुख विमलसिंह, पूर्व सांसद एवं पूर्व गुजरात भाजपा के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, विधवा सहायता फंड के प्रमुख धर्मेन्द्र सिंह, विद्या संकुल के प्रमुख संजयसिंह, कांग्रेस के कॉरपोरेटर जयदीप सिंह, कांग्रेस-भाजपा के कई जनप्रतिनिधि, राजपूत समाज की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मातृशक्ति ने भी उत्साह से भागीदारी निभाई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची एवं छनुभा पच्छेगाम सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। संभागप्रमुख प्रवीण सिंह धोलेरा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

नई दिल्ली...

राज्यसभा सांसद शक्ति सिंह गोहिल, राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह, राज्यसभा सांसद विजयपाल सिंह तोमर सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। सांसदों से संवाद करते समय संरक्षक श्री ने संघ की कार्यप्रणाली, आवश्यकता और वर्तमान समय मे सांघिक शक्ति के महत्व पर विचार रखते हुए कहा कि संघ समाज सुधार या सामाजिक उन्नति की बजाय समाज को मातृस्वरूपा मानकर उसकी सेवा मे स्वयं प्रस्तुत होने का शिक्षण देता है। पिछली कई शताब्दियों से हमारा सांस्कृतिक और नैतिक पतन हुआ है जिसकी वजह से अहंकार,स्वार्थपरता जैसी अनेकों विकृतियाँ हमारे स्वभाव मे गहराई तक जा बैठी है। संघ अपनी सामूहिक संस्कारमयी कर्म प्रणाली के माध्यम से हमारे व्यक्तित्व को परिष्कृत कर ऐसी विकृतियों को दूर करता है। संरक्षक श्री ने भारत के सभी राज्यों मे संघ के विस्तार की प्रबल इच्छा व्यक्त करते हुए उनसे सहयोग की इच्छा जाहिर की तथा जनवरी 2024 में दिल्ली में आयोज्य संघ के संस्थापक पुज्य श्री तन सिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष समारोह निमित सभी से सहयोग का आह्वान किया। उपस्थित सभी स्वजातीय सांसदों ने सांघिक कार्य के विस्तार हेतु यथासंभव सहयोग करने की बात कही। कार्यक्रम का समापन रात्रि स्नेह भोज के साथ हुआ। जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह ने परिवार सहित सभी की आवभगत की एवं सभी व्यवस्थाएं संभाली।

चिंतन...

उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में सीकर के नीमकाथाना में स्थित तंवरावाटी राजपूत छात्रावास में 22 मार्च को आयोजित होली स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 22 दिसंबर 2021 को आयोजित संघ के हीरक जयंती समारोह की दिव्यता और भव्यता को न केवल भारत देश ने बल्कि संपूर्ण विश्व ने देखा। लेकिन ऐसे आयोजन करना संघ का मुख्य कार्य नहीं है, ये तो त्यौहार स्वरूप एक आयोजन मात्र है। संघ का मुख्य उद्देश्य इस समाज और राष्ट्र के भावी निर्माता बालक और बालिकाओं में संस्कार निर्माण करना है जिससे वे अपने स्वयं के निर्माण के साथ समाज, राष्ट्र और मानव मात्र के हितार्थ कार्य कर अपने जीवन को सार्थक कर सके। स्नेहमिलन में नीमकाथाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए समाजबंधु सम्मिलित हुए। सीकर प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम प्रारंभ होने पूर्व संघप्रमुख श्री ने छात्रावास में स्थापित राजा अंगदपाल तोमर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

विक्रमोत्सव के रूप में मनाई सम्राट विक्रमादित्य की जयंती

उज्जैन के चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य की जयंती उनकी स्मृति में प्रारंभ विक्रम संवत 2080 के प्रथम दिन (22 मार्च को) विभिन्न स्थानों पर समारोह पूर्वक मनाई गई। जालौर जिले के रामसीन में विक्रमादित्य परमार की जयंती पर उनके वंशजों द्वारा विक्रमोत्सव मनाया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विक्रमादित्य की जयन्ती में उनके वंशज काबावत (परमार) राजपूतों के 24 परगनों के समाजबंधुओं ने भाग लिया। उत्सव का प्रारम्भ यज्ञ व चण्डी मंत्रोच्चार से हुआ। राजेन्द्र सिंह आकोली ने राजा वीर विक्रमादित्य के जीवन परिचय और काबावत राजपूतों की वंशावली के बारे में विस्तार से बताया। गंगासिंह परमार ने कहा कि विक्रमादित्य ने जनहित के कई कार्य किए। वे जनता के सुख-दुख में काम आने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। इसीलिए आज भी हम उन्हें स्मरण कर रहे हैं। डूंगरसिंह आकोली ने वीर विक्रमादित्य के शासन को इतिहास का स्वर्ण काल बताते हुए युवा पीढ़ी से उनके आदर्शों को ग्रहण करने की बात कही। भैरूपालसिंह कोलर ने भी विक्रमादित्य के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने की बात कही। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभाग प्रमुख अर्जुनसिंह देलदरी ने चक्रवर्ती सम्राट राजा वीर विक्रमादित्य की जयन्ती और विक्रमोत्सव हर वर्ष मनाने का आह्वान किया जिससे उनके इतिहास और उनके द्वारा किए गए जनहित के कार्यों की जानकारी सबको मिल सके। इस कार्यक्रम में सैकड़ो समाजबंधुओं ने भाग लिया। जैसलमेर संभाग के चांधन प्रांत द्वारा मुलाना स्थित हरसिद्धि मंदिर में भी विक्रमोत्सव का आयोजन किया गया। संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतवर्ष में प्रत्येक कालखंड में ऐसी महान विभूतियां पैदा हुई है जिन्होंने अपने चरित्र के प्रकाश से संसार को आलोकित किया है। उज्जैन के परमार वंशीय महान चक्रवर्ती शासक वीर विक्रमादित्य भी भारतीय इतिहास के ऐसे ही उदात्त नायक हैं। विक्रम-बेताल और सिंहासन बत्तीसी जैसी प्रसिद्ध लोककथाओं के नायक विक्रमादित्य के नाम पर ही विक्रम संवत भी प्रारंभ हुआ। त्याग, न्यायप्रियता, उदारता और भक्ति के लिए प्रसिद्ध क्षत्रियत्व की प्रतिमूर्ति विक्रमादित्य की स्मृति में हम जो विक्रमोत्सव मना रहे हैं, उसकी सार्थकता इसी में है कि हम विक्रमादित्य की महानता से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को भी महान बनाने की ओर अग्रसर हों। वरिष्ठ स्वयंसेवक बाबू सिंह बेरसियाला ने पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के संबंध में जानकारी देते हुए सभी से दिल्ली में होने वाले मुख्य समारोह में पधारने का निवेदन किया। चांधन प्रांत प्रमुख उम्मेद सिंह बडोडा गांव ने चक्रवर्ती सम्राट वीर विक्रमादित्य का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। गायत्री परिवार के सदस्य चुनाराम ने पूज्य तनसिंह जी को आज के युग का महामानव बताते हुए भारतीय संस्कृति की रक्षा और विकास के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही। जोधपुर शहर प्रांत में हनवंत छात्रावास में शाखा स्तर पर विक्रमोत्सव मनाया गया। ओसियां फलोदी प्रांत के बेदू गांव में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। पाली जिले में रावली पोल गुडांगरी (सोजत) में, देसूरी एवं सिरोही जिले के उथमण गांव में भी विक्रमादित्य जयंती के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित हुए। बाड़मेर संभाग के गुडामालानी प्रांत के बूठ गांव में भी शाखा स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें सिंहासन बत्तीसी पुस्तक पर चर्चा की गई।

चित्तौड़गढ़ में तीन दिवसीय जौहर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन

18 मार्च को चित्तौड़गढ़ दुर्ग में स्थित फतेह प्रकाश महल के प्रांगण में जौहर स्मृति संस्थान के तत्वावधान में तीन दिवसीय जौहर श्रद्धांजलि समारोह का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के सान्निध्य में आयोजित हुआ। उन्होंने उपस्थित समाजबंधुओं को जनवरी 2024 में दिल्ली में आयोजित होने वाले पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में आने के लिए निमंत्रित किया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चित्तौड़गढ़ की भूमि अनूठी है। यहां त्याग, ज्ञान, दान और भक्ति का संगम हुआ है। हमें हमारी आने वाली पीढ़ी को हमारे गौरवशाली इतिहास की सही जानकारी देकर उन्हें देश के विकास में सहयोगी बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। राजस्थान सरकार में मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि हमारे इतिहास से प्रेरणा लेते हुए हमें देश धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए एक होने की आवश्यकता है। हमारे पूर्वजों की महानता को ध्यान में रखते हुए हमें मयार्दापूर्ण और समझदारी से व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने समाज के युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की बात कही। मारवाड़ जंक्शन विधायक खुशवीर सिंह जोजावर ने केंद्र में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की विसंगतियों को दूर करने की मांग उठाई। राज परिवार के विश्वराज सिंह और महिमा सिंह ने अपने इतिहास को जानने और उससे प्रेरणा लेने की बात कही। कुशाल गिरी महाराज ने जीव हत्या पर प्रतिबंध लगाने की बात कही। तारातरा महंत प्रताप पुरी महाराज ने कहा कि भारत का इतिहास मेवाड़ के इतिहास के बिना अधूरा है। जो अपने कर्तव्य का बोध करके उसका पालन करता है, वही दूसरों के लिए पथप्रेरक और प्रेरणास्रोत बनता है। साहित्यकार ओमेंद्र सिंह रत्नु ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। संस्थान के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष शक्ति सिंह, निर्मला कंवर राठौड़ सहित अन्य पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह, सांसद सीपी जोशी, पूर्व महारानी निरुपमा देवी, विधायक नरपत सिंह राजवी, श्रीचंद कृपलानी, चंद्रभान सिंह आक्या, रणधीर सिंह, दुष्यंत राज सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्य कार्यक्रम से पूर्व शहर में शोभायात्रा भी निकाली गई। हाथी-घोड़ों से सुसज्जित शोभायात्रा इंदिरा गांधी स्टेडियम से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख स्थानों से होते हुए दुर्ग स्थित मुख्य समारोह स्थल पहुंची। विश्वराज सिंह मेवाड़, जौहर स्मृति संस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह सहित संस्थान के सभी पदाधिकारी एवं सर्वसमाज के लोग शोभायात्रा में सम्मिलित हुए। शहरवासियों एवं विभिन्न समुदायों द्वारा स्थान-स्थान पर शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। तीन दिवसीय जौहर श्रद्धांजलि समारोह का आगाज 16 मार्च को महाराणा सांगा स्मृति पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिता के साथ हुआ। गंगरार पुलिस उप-अधीक्षक एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया ने तीरंदाजी में निशाना लगाकर दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता की शुरूआत की। उन्होंने प्रतिभागियों और उपस्थित समाज बंधुओं से कहा कि हमारे पूर्वजों और हमारी माताओं ने असंख्य बलिदान देकर हमारे गौरवशाली इतिहास का निर्माण किया है। भावी पीढ़ी तक इस इतिहास को पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। हमें अपनी बच्चियों के नाम मां पद्मिनी और मां मीरा जैसी वीरांगनाओं के नाम पर रखने चाहिए जिससे उनमें भी उन्हीं की भांति उदात्त जीवन जीने की प्रेरणा जगे। उन्होंने कहा कि हमें खेलों से अनुशासन और संघर्ष की प्रेरणा लेकर अपने जीवन को भी अनुशासित बनाना चाहिए।

श्री चारभुजा राजपूत छात्रावास में होली स्नेहमिलन संपन्न

नागौर के मेड़ता सिटी में बस स्टैंड के निकट स्थित श्री चारभुजा राजपूत छात्रावास के पूर्व छात्रों का दो दिवसीय होली स्नेहमिलन समारोह 11-12 मार्च को रामसुखदास जी महाराज के शिष्य एवं इस छात्रावास में रहकर अध्ययन कर चुके रघुवीर दास जी के सान्निध्य में आयोजित हुआ। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने आशीर्वचन में कहा कि किसी भी समाज को उत्थान की ओर बढ़ना है तो भाषा, भोजन, चरित्र और संतान की श्रेष्ठता को बनाए रखना आवश्यक है। हमारा जीवन श्रेष्ठ होगा, तभी समाज भी श्रेष्ठ बनेगा। संस्थान के सचिव सुरेंद्र सिंह कात्यासनी ने बताया कि छात्रावास में पहली बार इस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित हुआ है, जिसमें छात्रावास के पूर्व छात्रों ने छात्रावास के विकास के संबंध में कार्यकारिणी को कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। अध्यक्ष जसवंत सिंह थाटा ने सभी का आभार व्यक्त किया और प्रतिवर्ष इस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सर्वसम्मति से पूर्व छात्र परिषद का गठन भी किया गया जिसमें नारायण सिंह मिण्डकिया को अध्यक्ष, टंवर सिंह भावला को सचिव, सुरेंद्र देव सिंह जैसास को सह सचिव एवं श्रवण सिंह पालनपुर को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यक्रम में रामवीर सिंह ओलादन, जगदीश सिंह खातोलाई, भवानी सिंह कात्यासनी, जितेन्द्र सिंह आकेली, शिवनाथ सिंह छापरी, भवानी सिंह लिलिया, महेंद्र सिंह मिण्डकिया, हेमेंद्र सिंह कुरड़ाया, सज्जन सिंह रियाश्यामदास, लादु सिंह सथाना, मघसिंह, रवीन्द्र सिंह कुरड़ाया, बसन्त सिंह बरसिंगपुरा, हिम्मत सिंह मामड़ोली, शेर सिंह सेनणी, नारायण सिंह देशवाल, भगवान सिंह सोडास, जसवंत सिंह (वार्डन), रघुवीर सिंह बिखरनिया, सुरेन्द्र सिंह सथाना सहित अनेक पूर्व विद्यार्थियों ने सहभागिता निभाई।

राजपूत कन्या छात्रालय जामनगर में स्नेहमिलन का आयोजन

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 26 मार्च को गुजरात के गोहिलवाड़ संभाग के हालार प्रांत में जामनगर स्थित अमजीबा हरीसिंह वाढेर राजपूत कन्या छात्रालय में स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने कहा कि अपने इतिहास पर हमें गौरव अवश्य करना चाहिए लेकिन साथ ही उस से प्रेरणा लेकर वर्तमान युग में त्याग और बलिदान के मार्ग को पुनः अपनाना भी उतना ही आवश्यक है। श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज की युवा पीढ़ी को उसी के लिए तैयार कर रहा है। संभाग प्रमुख प्रवीण सिंह धोलेरा ने आधुनिक समय में क्षत्रियोचित संस्कारों की आवश्यकता को बताते हुए मोबाइल फोन आदि तकनीकी साधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की बात कही। प्रांतप्रमुख शक्ति सिंह कोटडा नायाणी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया। चंद्र सिंह रोजिया ने कहा कि मातृशक्ति ही राजपूत संस्कृति की नींव रही है और वर्तमान में भी उन्हें ही संस्कृति की रक्षा का दायित्व निभाना होगा। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय मातृशक्ति शाखा की स्वयंसेविकाओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास की छात्राओं के अतिरिक्त शहर में रहने वाली मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही। गृहपति रविराजसिंह, धर्मेंद्र सिंह जाला अडवाल, चंद्र सिंह खंढेरा, अजीत सिंह थलसर, कृष्ण सिंह थलसर, रघुवीर सिंह सातवड़ी आदि समाजबंधु भी उपस्थित रहे।

हनवंत छात्रावास में नवनिर्मित महाराजा उम्मेद सिंह भवन का उद्घाटन

जोधपुर स्थित हनवंत राजपूत छात्रावास में नवनिर्मित 'महाराजा उम्मेद सिंह भवन' का उद्घाटन व स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की कार्यारंभ पट्टिका का अनावरण पूर्व सांसद व पूर्व महाराजा गज सिंह ने 25 मार्च को किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास की नवनियुक्ति कमेटी द्वारा कराए गए कार्यों की प्रशंसा की। कमेटी अध्यक्ष शिवसिंह राठौड़ ने छात्रों का मार्गदर्शन करने एवं परिसर के प्रति लगाव रखने की बात कही। छात्रावास के प्रथम अधीक्षक कैप्टन जतनसिंह गंठिया की स्मृति में वार्षिक छात्रवृत्ति व ट्राफी छात्र जसवंतसिंह बस्तवा व पपुसिंह कुंडल को प्रदान की गई। उपस्थित अतिथियों द्वारा छात्रावास व्यवस्था में सहयोग करने वाले छात्रों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। छात्रावास परिसर स्थित चामुंडा माताजी मंदिर में भव्य रात्रि जागरण का आयोजन भी किया गया जिसमें कलाकार अनिल नागौरी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में हनवंत एजुकेशन सोसायटी के सदस्य, छात्र व समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org